>

Title: Need to expedite the issuance of notification regarding the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights), Act, 2006.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, संसद के दोनों सदनों ने आम राय से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी कानून, 2006 पास किया, लेकिन 11 महीनों के बाद भी अभी तक इस कानून को अमलीजामा नहीं पहनाया गया है। संसद से पास होने के बाद दस दिन के अंदर राष्ट्रपति जी ने इसको मंजूरी दे दी, लेकिन अभी तक इसे अधिसूचित नहीं किया गया यानी इसका नोटिफिकेशन नहीं किया गया है। कानून के अस्तित्व में न आने के कारण वनों की धुआंधार कटाई हो रही है। वन माफिया सक्रिय हैं। पिछले पांच वर्षों में पांच लाख हेक्टअर से अधिक जंगल नष्ट हुए हैं और बड़ी मात्रा में लकड़ी माफिया सक्रिय हैं। बर्बर हिंसा जारी है और जंगल में रहने वालों को बेरहमी से बेदखल किया जा रहा है। विकास के नाम पर जो परियोजनाएं बनाकर जंगलों को खाली कराया जा रहा है, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु सहित आठ प्रांतों के वनों में जो लोग रहते हैं, उनके गांवों को उजाड़ा जा रहा है। 23 नवंबर से जंतर-मंतर पर विभिन्न संगठनों के लोग हजारों की संख्या में धरना दिए बैठे हैं। यह बहुत गंभीर मामला है कि 11 महीने में, जब संसद के दोनों सदनों से कानून सर्वसम्मति से पास हो गया, इसके बाद भी ...(व्यवधान) संसदीय कार्यमंत्री क्या आप हमारी बात सुन रहे हैं? ...(व्यवधान)।

अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ द हाउस यहां बैठे हैं, संसदीय कार्यमंत्री यहां बैठे हैं, मेरा विनम्र आग्रह है, यह बहुत गंभीर मामला है और मुझे लगता है कि सरकार एक ग्रुप के दबाव में है, अतः मेरा आपके मार्फत् विनम्र निवेदन है कि हजारों की संख्या में लोग जंतर-मंतर पर लोग इसके लिए बैठे हैं और हम अपेक्षा करेंगे कि सरकार तत्काल इस कानून को नोटीफाइड करे।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): I would like to inform, through you, the hon. Members of the House that this Bill was passed by both the Houses of Parliament. Secondly, this matter is in the knowledge of Chairperson of the UPA who is highly concerned over the delay in notification. [MSOffice15]

Several other sections have also conveyed this. I pay my respects to those who are sitting on a *dharna* at Jantar Mantar because they have expressed their genuine concern. The Government is actively considering the matter to notify it at the earliest.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, समय-सीमा बतानी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : सुमन जी, मैं आपको इतना कह सकता हूं कि इसपर तुंत कार्यवाही हो रही है। खुद प्रधान मंत्री जी की नज़र में यह बात आ गई है। ...(व्यवधान) आपने जिस बात का जिक्र किया है, उसे बहुत जल्दी मान्यता मिलने वाली है।...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी डेट बता दें।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Devendra Prasad Yadav, he has made a commitment in the House. *Thurant* means 'very soon'. Let us wait. अगर 'वैरी' नहीं होगा तो देखेंगे, पकड़ लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI S.K. KHARVENTHAN (PALANI): Mr. Speaker, Sir, I would like to raise a very important issue.

MR. SPEAKER: I have received several notices on the issue which the hon. Member is now raising. I will try to accommodate all. Please wait.